रामसर स्थल और विश्व पर्यावरण दिवस

चर्चा में क्यों?

[विश्व पर्यावरण दिवस](#) पर **भारत ने दो और** [आर्द्रभूमियाँ](#)**—फालोदी के खीचन और उदयपुर के मेनार—**को [अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों की रामसर सूची](#) में शामिल किया।

- इन सम्मिलनों के साथ **भारत में रामसर स्थलों की कुल संख्या 91** हो गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस (WED)

- **इतिहास एवं परिचय:**
  - विश्व पर्यावरण दिवस की **स्थापना वर्ष 1972** में स्टॉकहोम में आयोजित [मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन](#) के दौरान की गई थी।
    - उसी वर्ष बाद में, **संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 5 जून** को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में घोषित किया।
  - पहला **उत्सव 1973 में "ओनली वन अर्थ" थीम** के साथ मनाया गया, जो पर्यावरण जागरूकता के लिये सबसे बड़े वैश्विक मंच की शुरुआत थी।
  - वर्ष 2021 में WED समारोह ने [पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030)](#) की शुरुआत की, जो वनों से लेकर खेतों तक, पहाड़ों की चोटियों से लेकर समुद्र की गहराई तक अरबों हेक्टेयर भूमि को पुनर्जीवित करने का एक वैश्विक मिशन है।
- **WED 2025:**
  - **कोरिया गणराज्य** विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की मेज़बानी कर रहा है जिसका फोकस **वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने** पर है।
  - **वर्ष 2025 की थीम** है **"बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन",** जो प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने पर वैश्विक ध्यान केंद्रित करता है।
  - भारत ने **वर्ष 2018 में 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम** के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के 45 वें समारोह की मेज़बानी की थी।

प्रमुख बिंदु

- **खीचन आर्द्रभूमि:**
  - **परिचय:**
    - यह राजस्थान के जैसलमेर शहर से लगभग 171 किमी दूर **खीचन गाँव** में स्थित है।
    - इसमें **दो जल निकाय, रात्रि नदी और विजयसागर तालाब**, तटवर्ती आवास और झाड़ीदार भूमि शामिल हैं।
  - **प्रवासी पक्षी आवास:**
    - अभयारण्य में **तीन प्रवासी पक्षी प्रजातियाँ** पाई जाती हैं: **कुरजन, करकरा और कुंच,** जिन्हें स्थानीय रूप से डेमोइसेल क्रेन के नाम से जाना जाता है।
      - **खीचन पक्षी अभयारण्य** विश्व स्तर पर **"डेमोइसेल क्रेन गाँव"** के रूप में प्रसिद्ध है, जो विश्व भर से पक्षी प्रेमियों और शोधकर्त्ताओं को आकर्षित करता है।
    - ये पक्षी दक्षिण-पश्चिम यूरोप, [काला सागर](#), पोलैंड, यूक्रेन, कज़ाकिस्तान, मंगोलिया और उत्तरी तथा दक्षिणी अफ्रीका के कुछ हिस्सों से खीचन की ओर प्रवास करते हैं।
- **मेनार आर्द्रभूमि:**
  - **परिचय:**
    - मेनार आर्द्रभूमि राजस्थान के उदयपुर में स्थित एक **मीठे जल की** [मानसून](#) **आर्द्रभूमि परिसरों** में से एक है।
    - यह आर्द्रभूमि तीन आपस में जुड़े तालाबों—**ब्रह्म तालाब, धंद तालाब, और खेड़ोड़ा तालाब—**के साथ-साथ **धंद और खेड़ोड़ा** को जोड़ने वाली कृषि भूमि से मिलकर बनती है।
    - मानसून के दौरान, आसपास के खेतों में बाढ़ आ जाती है, जिससे जल पक्षियों के लिये अतिरिक्त आवास बन जाता है।
- **जैवविविधता और प्रमुख प्रजातियाँ:**
  - यह स्थल विविध पक्षी जीवन का समर्थन करता है, जिसमें अति संकटग्रस्त [व्हाइट बैक्ड वल्चर (Gyps bengalensis)](#) और [लॉन्ग-बिल्ड वल्चर (Gyps indicus)](#) शामिल हैं।

- इसमें 70 से अधिक पादप प्रजातियाँ भी हैं, जिनमें ब्रह्म तालाब के पास आम के वृक्ष (मैंगीफेरा इंडिका) भी शामिल हैं
  - आम के वृक्ष [इंडियन फ्लाइंग फॉक्स] (*Pteropus giganteus*) की एक बड़ी कॉलोनी के लिये आश्रय स्थल के रूप में काम करते हैं, जिससे आर्द्रभूमि की पारिस्थितिकि समृद्धि में वृद्धि होती है।
- **समुदाय-प्रेरित संरक्षण का मॉडल:**
  - इसे राजस्थान में **समुदाय-संचालित संरक्षण** के बेहतरीन उदाहरणों में से एक माना जाता है।
  - मेनार गाँव के निवासी वन्यजीवों की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा क्षेत्र में अवैध शिकार और मत्स्यन को रोकने के लिये सक्रिय रूप से काम करते हैं।

- **रामसर अभिसमय**
  - **परिचय:**
    - [रामसर अभिसमय] एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिस पर वर्ष 1971 में ईरान के रामसर में [यूनेस्को] के तत्वावधान में हस्ताक्षर किये गये थे, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों का संरक्षण करना है।
      - भारत में यह अधिनियम **1 फरवरी 1982** को लागू हुआ, जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया गया।
      - **अगस्त 2024 तक, तमिलनाडु** (18) में रामसर स्थलों की संख्या सबसे अधिक है, उसके बाद **उत्तर प्रदेश (10)** का स्थान है।
    - **मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड** अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के उन **आर्द्रभूमि स्थलों** का रजिस्टर है, जहाँ तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप **पारिस्थितिकि चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं या होने की संभावना है।**
      - इसे **रामसर सूची** के भाग के रूप में रखा गया है।
  - **रामसर स्थलों की पहचान के लिये मानदंड:**
  - वर्तमान में, अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों की पहचान के लिये नौ मानदंड हैं, जिनमें प्रतिनिधि, दुर्लभ या अद्वितीय आर्द्रभूमि प्रकार वाले स्थल; जैवविविधता के संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के स्थल; जलपक्षियों, मछलियों आदि पर आधारित विशिष्ट मानदंड शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ramsar-sites-and-world-environment-day